# संकलित परीक्षा–I (2011)
# हिन्दी 'अ'
# कक्षा – X

530048

**समय 3 घण्टे** **अधिकतम अंक 80**

**निर्देश :—**

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

## खंड-'क'

**1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **1x5=5**

व्यक्ति के जीवन में संतोष का बहुत महत्त्व है। संतोषी व्यक्ति सुखी रहता है। असंतोष सब व्याधियों की जड़ है। महात्मा कबीर ने कहा है कि धन-दौलत से कभी संतोष नहीं मिलता। संतोषरूपी धन मिलने पर समस्त वैभव धूल के समान प्रतीत होता है। व्यक्ति जितना अधिक धन पाता जाता है उतना ही असंतोष उपजता जाता है। यह असंतोष मानसिक तनाव उत्पन्न करता है जो अनेक रोगों की जड़ है । धन व्यक्ति को उलझनों में फँसाता जाता है। साधु को संतोषी बनाया गया है क्योंकि भोजन मात्र की प्राप्ति से उसे संतोष मिल जाता है । हमें भी साधु जैसा होना चाहिए। हमें अपनी इच्छाओं को सीमित रखना चाहिए। जब इच्छाएँ हम पर हावी हो जाती हैं तो हमारा मन सदा असंतुष्ट रहता है । सांसारिक वस्तुएँ हमें कभी संतोष नहीं दे सकतीं । संतोष का संबंध मन से है । संतोष सबसे बड़ा धन है। इसके सम्मुख सोना - चाँदी, रुपया-पैसा व्यर्थ है ।

(**1**) जीवन में संतोष का महत्व है :

(क) सुख के कारण (ख) शान्ति के कारण

(ग) दुख के कारण (घ) सहनशील तनाव के कारण

(**2**) संतोष रूपी धन मिलने से क्या होता है ?

(क) वैभव धूल के समान लगते हैं।

(ख) मन में संतुष्टि आ जाती है।

(ग) मन खुश हो जाता है ।

(घ) धन की लालसा बढ़ जाती है।

(3) जब इच्छाएँ हम पर हावी हो जाती हैं तब क्या होता है ?

(क) मन में खुशी होती है ।

(ख) मन सदा असंतुष्ट रहता है ।

(ग) मन संसार में रम जाता है ।

(घ) मन दुखी रहता है ।

(4) संतोष का संबंध किससे है ?

(क) मन से ।　　(ख) धन से ।

(ग) वस्तुओं से ।　　(घ) तन से ।

(5) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है :

(क) संसार　　(ख) संतोष का महत्त्व

(ग) जीवन　　(घ) तन और मन

**2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **1x5=5**

भारतीय जनता के बारे में अपनी अंतरंग जानकारी के आधार पर स्वामी विवेकानंद पूर्णत: आश्वस्त हो गए थे कि राष्ट्र की जीवनधारा नष्ट नहीं हुई है, वरन् अज्ञान एवं निर्धनता के बोझ से दबी हुई है। भारत अब भी ऐसे संतों का सृजन करता रहा है, जिनकी आत्मा का संदेश स्वीकार करने को पाश्चात्य राष्ट्र अत्यंत व्यग्र हैं। परंतु उनके द्वारा आविष्कृत अनमोल आध्यात्मिक रत्न कचरे के ढेर में छिपे हैं, पाश्चात्य जगत ने एक स्वस्थ समाज रूप रत्नपेटिका का निर्माण तो किया है, परंतु उनके पास रत्न का अभाव है। फिर उन्हें यह समझते भी देर न लगी कि भौतिकवादी सभ्यता के भीतर ही उसके विनाश के बीज भी छिपे रहते है। उन्होंने पश्चिमी देशों को बारंबार इस आसन्न आपदा से आगाह किया। पाश्चात्य क्षितिज का यह चमकीला आलोक एक अभिनव प्रभात का सूचक न होकर, एक बड़ी चिता की लपटों का भी सूचक हो सकता है। पाश्चात्य राष्ट्र अपनी निरंतर क्रियाशीलता की झोंक में निरुद्देश्य और अंतहीन क्रिया के जाल में फँस गए हैं। एक आध्यात्मिक लक्ष्य तथा विश्वव्यापी सहानूभूति के अभाव में, पाश्चात्य राष्ट्रों की भौतिक सुख-सुविधाओं के लिए अदम्य पिपासा, उनके बीच ईर्ष्या तथा घृणा में अभिवृद्धि करके, अंत में उनके सर्वनाश का साधन हो सकती है।

अमेरिका में उनका दोहरा मिशन था। भारतीय जनता के पुनरुत्थान हेतु वे अमेरिकी धन, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की सहायता लेना चाहते थे और बदले में अमेरिकी भौतिक प्रगति को सार्थक बनाने के लिए उन्हें आत्मा का ज्ञान देना चाहते थे। स्वामीजी में कोई ऐसा मिथ्याभिमान न था कि वे अमेरिका से सामाजिक उत्कृष्टता के गुर सीखने में संकुचित होते, फिर उन्होंने अमेरिकावासियों का भी आह्वान किया कि वे भारत के आध्यात्मिक उपहार को स्वीकार करने में अपने जातिगत दर्प को आड़े न आने दें। स्वीकृति तथा परस्पर श्रद्धा की अपनी इस नीति पर आधारित, उन्होंने एक ऐसे स्वस्थ मानव समाज का

स्वप्न देखा था, जो मानव की देह एवं आत्मा का चरम कल्याण साधने में समर्थ होगा।

(i) अज्ञानता और निर्धनता के बोझ से किसकी साँस घुट रही है?

(क) भारतीय जनता की। (ख) अंतरंग जानकारी की।

(ग) राष्ट्र की जीवन धारा की। (घ) स्वामी विवेकानंद की।

(ii) पश्चिमी देश उत्सुक क्यों थे?

(क) आत्मा के संदेश को जानने के लिए।

(ख) स्वामी जी के दर्शनों के लिए।

(ग) स्वस्थ समाज का निर्माण करने के लिए।

(घ) कचरे से रत्नों को खोजने के लिए।

(iii) स्वामीजी ने पश्चिमी देशों को किससे सावधान किया?

(क) विनाश के बीज से बचकर रहें।

(ख) पश्चिमी देश कभी भी जलकर नष्ट हो सकते हैं।

(ग) परस्पर ईर्ष्या तथा घृणा उन्हें नष्ट कर देगी।

(घ) भौतिकतावादी सभ्यता ही काल बनेगी।

(iv) स्वामीजी का क्या उद्देश्य था?

(क) वे अमेरिकावासियों से विज्ञान के विकास में सहायता लेकर उन्हें आत्मा की सूक्ष्म जानकारी देना चाहते थे।

(ख) वे भेदभाव दूर करना चाहते थे।

(ग) वे चाहते थे कि जातिगत दर्प आड़े न आए।

(घ) वे देश को स्वतंत्र करवाना चाहते थे।

(v) स्वामीजी 'आसन्न आपदा' किसे बता रहे है?

(क) राष्ट्रों की व्यग्रता को। (ख) भौतिकवादी सभ्यता को।

(ग) रत्नपेटिका में निर्माताओं को। (घ) अज्ञान और निर्धनता को।

**3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1x5=5**

चिर सजग आँखे उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना!
जाग तुझको दूर जाना!
अचल हिमगिरि के हृदय में आज चाहे कंप हो ले,
या प्रलय के आँसुओं से मौन अलसित व्योम रो ले,
आज पी आलोक को डोले तिमिर की घोर छाया,
जागकर विद्युत-शिखाओं में कठिन तूफ़ान बोले!
पर तुझे है नाश-पथ पर चिह्न अपने छोड़ आना!
जाग तुझको दूर जाना!
बाँध लेंगे क्या तुझे यह मोम के बंधन सजीले?
पंथ की बाधा बनेंगे तितलियों के पर रंगीले?
विश्व का क्रंदन भुला दगी मधुप की मधुर गुनगुन,
क्या डुबा देंगे तुझे यह फूल के दल ओस-गीले?
तू न अपनी छाँह को अपने लिए कारा बनाना!
जाग तुझको दूर जाना!
वज्र का उर एक छोटे अश्रु-कण में धो गलाया,
दे किसे जीवन सुधा दो घूँट मदिरा माँग लाया?
सो गई आँधी मलय की वात का उपधान ले क्या?
विश्व का अभिशाप क्या चिर नींद बनकर पास आया?
अमरता-सुत चाहता क्यों मृत्यु को उर में बसाना?
जाग तुझको दूर जाना!

(i) मानव को किन परिस्थितियों में आगे बढ़ने को कहा गया है?

(क) सामान्य परिस्थितियों में (ख) विपरीत परिस्थितियों में
(ग) व्यस्त परिस्थितियों में (घ) कंपायमान परिस्थितियों में

(ii) 'मोम के बंधन' का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है?

(क) सांसारिक मोह-माया के (ख) प्यार के
(ग) रस्सी के (घ) तितलियों के

(iii) मनुष्य को किसे अपनी कारा न बनाने को कहा गया है?

(क) मोम के बंधन को (ख) तितलियों के पंखों को
(ग) ओस की बूंदों को (घ) स्वयं की परछाई को

(iv) 'अमरतासुत' का संबोधन किसके लिए किया गया है?

(क) ईश्वर के लिए (ख) अमर व्यक्ति के लिए
(ग) मनुष्य के लिए (घ) सोए हुए व्यक्ति के लिए

(v) 'अभिशाप' का विलोम शब्द बताइए।

(क) श्राप (ख) फलदायी (ग) वरदान (घ) अभिशापित

**4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **1x5=5**

चंदा तारों की सहज कांति, नदियों में हैं मुसकान भरी,

है पवन – झकोरों में दुलार खेतों में है दौलत बिखरी

पग–पग मेरा विश्वास भरा

तप से है ये जीवन निखरा

प्रखर कर्म का पाठ सतत

पढ़ाती मैं भारत माता हूँ।

मैं वज्र सदृश विपदाओं को भी अनायास सह लेती हूँ

सुधा दान कर औरों को, मैं विष पीकर मुस्काती हूँ।

धीरज का पाठ पढ़ाती हूँ

गौरव का मार्ग दिखाती हूँ

मैं सहज बोध, मैं सहज शक्ति

सुविवेकी भारत माता हूँ।

(1) 'खेतों में दौलत बिखरी होने' का क्या तात्पर्य है?

(क) खेतों में फसल लहलहा रही है

(ख) खेतों में फसल कोई जा रही है

(ग) खेतों में फूल खिल रहे है

(घ) खेतो में फसलें नष्ट हो रही है

(2) भारत माँ को सुविवेकी क्यों कहा गया है ?

(क) क्योंकि वह अपने पुत्रों को धैर्य और गौरव का पाठ पढ़ाती है।

(ख) क्योंकि वह खाने को रोटी, सोने को जमीन देती है।

(ग) क्योंकि वह वर्षा करवाने में सहायक होती है।

(घ) क्योंकि वह कमजोर पुत्र की माँ होना पसंद करती है।

(3) यहाँ की नदियों और हवा में क्या है ?

(क) प्रेम एवं बंधुता का भाव (ख) मुसकान और दुलार

(ग) जल और नमी (घ) साहस और सुंदरता

(4) किसके पग में विश्वास भरा है ?

(क) खेतों के (ख) बागों के

(ग) मनुष्यों के (घ) भारत माता के

(5) 'चंदा-तारों-सी सहज कांति' - पंक्ति में अलंकार है :

(क) यमक (ख) रूपक

(ग) उपमा (घ) अनुप्रास

## खंड-'ख'

**5.** (क) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में अकर्मक क्रिया प्रयुक्त हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए - **4**

(i) सुरभि निबंध लिखती है। (ii) हिरन दौड़ता है।

(iii) माँ खाना पकाती है। (iv) दादाजी कॉफी पीते हैं।

(ख) गीतिका रामचरित मानस पढ़ती है।

उपर्युक्त वाक्य में प्रयुक्त रेखांकित क्रियाओं क भेद का सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(i) अकर्मक क्रिया (ii) सकर्मक क्रिया

(iii) द्विकर्मक क्रिया (iv) अपूर्ण क्रिया

(ग) निम्नलिखित विकल्पों से सकर्मक क्रिया का सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(i) छोड़ना (ii) छोड़ (iii) छुड़ाना (iv) छोड़ो

(घ) 'मदन जा रहा है।' - वाक्य में प्रयुक्त क्रिया का सही भेद निम्नलिखित विकल्पों से चुनकर लिखिए -

(i) एककर्मक (ii) अकर्मक

(iii) द्विकर्मक (iv) सकर्मक

**6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :** **4**

(i) निम्नलिखित में से कौन से वाक्य में सकर्मक क्रिया प्रयुक्त हुई है?

(क) वह छात्र को पुस्तक पढ़ाता है।

(ख) रमेश गरीबों को कंबल बाँटता है।

(ग) पिताजी ने पुत्र को पत्र लिखा है।

(घ) वह अभी-अभी घर गया है।

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य द्विकर्मक क्रिया वाला है?

(क) सीता अखबार पढ़ती है।

(ख) अमर सुंदर लिखता है।

(ग) सात्विक बच्चों को पुस्तके देता है।

(घ) विभा हमेशा खेलती रहती है।

(iii) 'मोहन तुमसे बहुत शरमाता है'। वाक्य में प्रयुक्त क्रिया है :

(क) सकर्मक (ख) अकर्मक

(ग) द्विकर्मक (घ) प्रेरणार्थक

(iv) 'मैं प्रश्न पूछ रहा हूँ' में मुख्य क्रिया पद कौन सा है?

(क) प्रश्न (ख) पूछना

(ग) रहा (घ) हूँ

**7.** (क) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में सहायक क्रिया प्रयुक्त हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए - **4**

(i) अतुल घूमेंगे (ii) महात्माजी ने भोजन कर लिया है।

(iii) तुम अपना काम करो। (iv) धीरज लिखेगा।

(ख) दल पर्वत शिखर पर पहुँच गए होंगे।

(i) संयुक्त क्रिया (ii) सहायक क्रिया

(iii) मुख्य क्रिया (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(ग) निम्नलिखित में से किस वाक्य में संयुक्त क्रिया प्रयुक्त नहीं हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए –

(i) संत गंगाघाट पर स्नान करेंगे। (ii) श्वेता बोल पड़ी।

(iii) गायक गाना गा चुका है। (iv) वह धोखा दे गया था।

(घ) 'किसान ने खेतों में बीज बो दिया है।' वाक्य में रेखांकित क्रियाओं के भेद का सही विकल्प निम्नलिखित विकल्पों से चुनकर लिखिए –

(i) मुख्य क्रिया (ii) सहायक क्रिया

(iii) संयुक्त क्रिया (iv) तीनों में से कोई नहीं

**8.** **4**

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) 'परिवार' शब्द में 'इक' प्रत्यय जोड़ने से विशेषण बनेगा –

(i) पारिवारिक (ii) परिवारिक

(iii) पारिवारइक (iv) पारिवारिक

(ख) निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों में 'विशेषण' पद कौन-सा है?

(i) मैं गरीब व्यक्ति की पीड़ा समझती हूँ।

(ii) पीड़ित व्यक्ति जीवन से निराश हो जाता है।

(iii) हमारा कर्तव्य है उसकी पीड़ाओं को कम करने की कोशिश करें

(iv) अन्यथा उसकी पीड़ाएँ बढ़ती जाएँगी।

(ग) परिमाणवाचक विशेषण से तात्पर्य है –

(i) विशेष्य की संख्या संबंधी विशेषता बताने वाले विशेषण पद।

(ii) विशेष्य की परिमाण संबंधी विशेषता बताने वाले विशेषण शब्द।

(iii) विशेष्य के गुण, आकार , रूप, रंग, दशा, स्वभाव बताने वाले विशेषण पद।

(iv) विशिष्य की विशेषता बताले वाले सर्वनाम शब्द।

(घ) गुणवाचक विशेषण का सही विकल्प है –

(i) वे मर्यादा पुरुषोत्तम राम ही थे।

(ii) तीन फल आम के हैं।

(iii) दो इंच ज़मीन नहीं दूँगा।

(iv) पाँच किलो चीनी लाआ।

**9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए –** **4**

(i) वह धीर–धीरे चलता है। रेखांकित क्रियाविशेषण का सही भेद चुनकर लिखिए।

(क) रीतिवाचक (ख) परिमाणवाचक

(ग) कालवाचक (घ) स्थानवाचक

(ii) वह कभी–कभी आता है। रेखांकित क्रियाविशेषण के भेद का सही विकल्प लिखिए।

(क) परिमाणवाचक (ख) स्थानवाचक

(ग) कालवाचक (घ) रीतिवाचक

(iii) वह पूरी तरह संतुष्ट है। रेखांकित क्रियाविशेषण का उपयुक्त भेद लिखिए।

(क) कालवाचक (ख) परिमाणवाचक

(ग) स्थानवाचक (घ) रीतिवाचक

(iv) आप कहाँ जाएँगे? रेखांकित क्रियाविशेषण के भेद का सही विकल्प लिखिए।

(क) रीतिवाचक (ख) स्थानवाचक

(ग) परिमाणवाचक (घ) कालवाचक

## खंड–'ग'

**10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **1x5=5**

'हालदार साहब को यह सब कुछ बड़ा विचित्र और कौतुक भरा लग रहा था। इन्हीं खयालों में खोए–खोए

पान के पैसे चुकाकर, चश्मे वाले की देश–भक्ति के समक्ष नतमस्तक होते हुए वह जीप की तरफ चले, फिर रुके, पीछे मुड़े और पानवाले के पास जाकर पूछा, क्या कैप्टन चश्मेवाला नेताजी का साथी है? या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सिपाही?

पान वाला नया पान खा रहा था। पान पकड़े अपने हाथ को मुँह से डेढ़ इंच दूर रोककर उसने हालदार साहब को ध्यान से देखा, फिर अपनी लाल–काली बत्तीसी दिखाई और मुसकराकर बोला–नहीं साब! वो लँगड़ा क्या जाएगा फौज में। पागल है पागल! वो देखो, वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो। फोटो–वोटो छपवा दो उसका कहीं।

(i) हालदार साहब किसकी देशभक्ति के समझ नतमस्तक हुए?

(क) चश्मेवाले के (ख) पानवाले के

(ग) नेताजी के (घ) सिपाहियों के

(ii) हालदार साहब ने चश्मेवाले के बारे में किससे पूछा?

(क) कैप्टन से (ख) पानवाले से

(ग) अपने ड्राइवर से (घ) लोगों से

(iii) पान कौन खा रहा था?

(क) चश्मेवाला (ख) हालदार साहब

(ग) पानवाला (घ) सिपाही

(iv) पानवाले ने चश्मेवाले को क्या कहकर संबोधित किया?

(क) मूर्ख (ख) बेवकूफ

(ग) बुद्धू (घ) पागल

(v) 'विचित्र' शब्द का पर्यायवाची लिखिए।

(क) अनोखा (ख) विशाल

(ग) खास (घ) बनावटी

**अथवा**

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर , ज़रा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताज़े–चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों। नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। हमने भी उनके सामने की बर्थ पर बैठकर आत्मसम्मान में आँखे चुरा लीं।

(i) लेखक डिब्बे में ज़रा दौड़कर क्यों चढ़ा?

(क) डिब्बे में सीट लेने के लिए (ख) गाड़ी छूटने वाली थी

(ग) डिब्बे को खाली समझकर (घ) गाड़ी चल पड़ी थी

(ii) सफ़ेदपोश सज्जन बर्थ में किस प्रकार बैठे थे?

(क) पाँव लपेटकर (ख) पाँव लटकाकर

(ग) पालथी मारकर (घ) पाँव लंबे करके

(iii) डिब्बे में लेखक के सहसा कूद जाने से सफेदपोश सज्जन ने महसूस किया –

(क) हर्ष (ख) चिंता

(ग) असुविधा (घ) असंतोष

(iv) लेखक ने आत्मसम्मान के कारण क्या किया?

(क) नवाब साहब से बात नहीं की।

(ख) नवाब साहब को सलाम नहीं किया।

(ग) नवाब साहब की ओर देखा तक नहीं।

(घ) नवाब साहब की ओर से आँखे चुरा ली।

(v) 'प्रतिकूल' का विलोम शब्द बताइए।

(क) बिलकुल (ख) दुकूल

(ग) अनुकूल (घ) आकुल

**11.** निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए- **2X5=10**

(क) खेतीबाड़ी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?

(ख) नगरपालिका ने नेता जी की मूर्ति चौराहे पर लगाने की हड़बड़ाहट क्यों दिखाई थी?

(ग) हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन कस्बे से क्यों गुजरना पड़ता था? वे कस्बे के चौराहे पर किस लिए रुकते थे?

(घ) ट्रेन के डिब्बे में नवाब साहब ने लेखक की संगति के लिए उत्साह क्यों नहीं दिखाया होगा?

(ङ) बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व और वेशभूषा का अपने शब्दों से रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

**12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर ध्यानपूर्वक नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **5**

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,

मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।

इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास

यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य मलिन उपहास

तब भी कहते हो कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।

तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।

(i) 'मधुप' का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है?

(ii) 'अनंत नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iii) यह कविता किस युग में लिखी गई है?

(iv) इस काव्यांश में किस प्रकार की भाषा का प्रयोग हुआ है?

(v) कविता में प्रयुक्त किसी एक अलंकार का उल्लेख कीजिए।

**अथवा**

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनी कै धुनि की मधुराई।

साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।

माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी, मुखचन्द जुन्हाई।

जै जग-मंदिर-दीपक सुन्दर, श्रीब्रजदूलह 'देव' सहाई।।

(i) कृष्ण के किन-किन आभूषणों से मधुर ध्वनि आ रही है?

(ii) कृष्ण के मुख की उपमा किससे दी गई है?

(iii) इस पद में ब्रजदूलह किसे कहा गया है?

(iv) यह काव्यांश किस छन्द में लिखा गया है?

(v) जग-मंदिर-दीपक' में कौन सा अलंकार है?

**13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दिजिए -**

(क) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है? **1**

(ख) चाँदनी रात की सुंदरता को कवि ने किन-किन रूपों में देखा है? **2**

(ग) 'अट नहीं रहीं' कविता में क्या संदेश दिया गया है? **2**

**14.** भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है ? **5**

**अथवा**

रानी एलिज़ाबेथ के दर्जी की परेशानी का क्या कारण था ? उसकी परेशानी को आप किस तरह तर्क संगत ठहराएँगे ?

## खंड-'घ'

**15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए :** **5**

अनुशासन के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

**अथवा**

अपने नगर में सफाई की दुर्व्यवस्था के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए नगर-निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।

**16. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए :** **5**

**प्रकृति और मनुष्य का अटूट संबंध :**

प्रकृति ईश्वर का अनुपम वरदान ----- अटूट संबंध प्रकृति सौंदर्य अद्वितीय तथा असीम ----- विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ते चरण के कारण ----- आवश्यकताओं की पूर्ति ----- प्रकृत्ति सुखों से वंचित ----- कृत्रिम दीवारें मनुष्य और प्रकृति के बीच ----- निष्कर्ष।

**अथवा**

**सांस्कृतिक कार्यक्रम का आँखों देखा वर्णन!**

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन ----- प्रस्तुती देने वाले कलाकारों का परिचय ----- विशेष प्रस्तुती ----- कार्यक्रम का पूर्ण विवरण ----- प्रभाव ----- निष्कर्ष।